प्रश्न – जैव विविधता का ह्रास तथा विलुप्तीकरण ने मानव तथा वन्य जीव संघर्ष को बढ़ावा दिया है। इस संदर्भ में जैव विविधता ह्रास के प्रमुख कारकों को विस्तार से समझाएं। (200 शब्द)

मॉडल उत्तर

भूमिका में निम्न बातों को शामिल करें–

- किसी भी पारिस्थितिकी तंत्र में वनस्पतियों के मध्य प्रजातीय विविधता।
- जीवों के मध्य आनुवांशिक भिन्नता जैव विविधता कहलाता है।
- इसके ह्रास तथा क्षरण में प्राकृतिक कारकों के साथ मानवीय कारक भी प्रमुख है।

जैव विविधता के ह्रास के प्रमुख कारण–

⇨ **प्राकृतिक कारण–**

- बाढ़ जैसे घटनाओं के कारण काजीरंगा नेशनल पार्क में जीवों का मरना।
- ज्वालामुखी तथा सुनामी जैसी परिघटनाओं के कारण महासागरीय तथा तटीय जैव विविधता का क्षरण।
- मरुस्थलीकरण के कारण प्राकृतिक आवासों का सीमित होना तथा दावानल।
- नदी द्वारा मार्ग परिवर्तन के कारण प्राकृतिक आवास का छिनना। जैसे पन्ना टाइगर रिजर्व।
- जलवायु परिवर्तन के कारण स्थलीय तथा जलीय जीवों का ह्रास तथा प्राथमिक व द्वितीयक जीवों की स्वत: समाप्ति जैसे हंगुल नामक हिरन के चारागाह की कमी के कारण विलुप्ती के कगार पर।
- विदेशज जातियों का आक्रमण जैसे सारस तथा साइबेरियन पक्षी।
- जंगलों तथा जानवरों को संरक्षण देने वाले जनजातियों का विलुप्त होना।

⇨ **मानवीय कारण–**

- कृषि तथा निवास हेतु वनों की कटाई से जैव विविधता हेतु प्राकृतिक आवासों की कमी और आर्द्रभूमियों की भराई।
- प्रदूषित औद्योगिक जल के कारण जलाशयों में सुपोषण तथा पोषण का प्रभावित होना।
- गरीबी तथा सीमित संसाधन व असीमित आवश्यकताएं।
- औषधीय गुणों के कारण पशुओं का अवैध शिकार तथा अवैध व्यापार।
- पालतू जानवरों की संख्या में वृद्धि।
- मनोरंजन हेतु शिकार तथा अवैध व्यापार।
- मानव में मांसाहार की प्रवृत्ति का बढ़ना तथा GM फसलों का बढ़ता प्रचलन।
- तकनीकी प्रयोग से उत्पन्न विकिरण के कारण गौरैया जैसे पक्षी का विलोपन।
- प्राकृतिक संसाधनों का दोहन तथा सीमित उत्पादन।
- अत्यधिक उर्वरकों के प्रयोग के कारण मृदा तथा जीवों का ह्रास।

⇨ **मानव तथा वन्य जीव संघर्ष**

- प्राकृतिक आवास सीमित होने के कारण आवासीय क्षेत्रों में शिकारी जानवरों का प्रवेश तथा संघर्ष।
- पेड़ों के कटने के कारण पक्षियों का मानव आवासों में घोंसला बनाना इत्यादि।

संक्षिप्त संतुलित निष्कर्ष–